

Reg No:- BR24A0023309

Estd :- 09/06/2023



# S.U. AGRO ENTERPRISES



## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

# Gardening

## Internship / Training

### (2024 – 2028)

This internship / training is ~~for~~ Semester 5 of Graduation  
at **all Universities** under the New Education Policy.

(यह इंटरनशिप / प्रशिक्षण सिलेबस **सभी विश्वविद्यालयों** में स्नातक  
स्तर के पाँचवें सेमेस्टर के लिए है!)



## Internship / Training



Knowledge



Experience



Networking



Team spirit



# S.U. AGRO ENTERPRISES



## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

### मेरा और मेरे व्यवसाय का परिचय



मेरा नाम प्रशांत कुमार है, और मैं इस बिजनेस का संस्थापक हूँ। मैंने बायोटेक्नोलॉजी में अपना B.Sc. पूरा किया, इसके बाद, मैंने नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी से एनवायरनमेंटल साइंस में M.Sc. करते हुए ही अपना बिजनेस शुरू किया। मैंने कॉलेज में अपनी पढ़ाई के दौरान ही इस बिजनेस की स्थापना की। 2023 में स्थापित, इस बिजनेस का नाम उसी कॉलेज (S.U. College) के नाम पर रखा गया है जहाँ मैंने बायोटेक्नोलॉजी में अपना B.Sc. पूरा किया था; इसलिए, इसका नाम 'श्री चंद उदासीन एग्रो एंटरप्राइजेज' है। कॉलेज में एक छात्र के तौर पर बिताए अपने समय से मुझे गहरा लगाव है; चूँकि इस संस्थान ने मुझे बहुत कुछ दिया है, इसलिए मैं, प्रशांत कुमार, अपने कॉलेज का हमेशा आभारी रहूँगा। मेरा व्यवसाय कृषि क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसमें मशरूम की खेती, सेविप्र चास की खेती और मछली पालन शामिल हैं। मेरा उद्यम एक MSME (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) के रूप में पंजीकृत है, जिसका पंजीकरण संख्या Udyam-BR-24-0023309 है। हमारे संगठन की वेबसाइट [www.suagroenterprises.in](http://www.suagroenterprises.in) है। इस वेबसाइट पर आप अपनी इंटरनशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

*Only patience brings success, only patience brings profit, and  
Without patience here is no profit in business.*

**Prashant Kumar. (Founder)**

**S. U. Agro Enterprises**



# S.U. AGRO ENTERPRISES



## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



### 2. GARDENING

वागवानी एक कला है। जिसमें एक वाग जगह पर फूल, सब्जियों, जड़ी-बूटियों या पौधे उगाना और उनकी देखभाल करना शामिल है। यह कला (विज्ञान) और विज्ञान (कृषि) का एक मेल है, जिसके माध्यम खाने की चीजें उगाना और सुंदरता बढ़ाने में लेकर वागवानी के इस्तेमाल का विस्तारता जानने में कई तरह के पौधे मिलते हैं।

सुयांग ने जुड़े पौधे, जैसे शाकीय बेरों और घर पर वागवानी, से लेकर पेशेवर करियर तक, इन क्षेत्रों में वैज्ञानिक और दिलचस्प, वागवानी विज्ञान (रिसर्च, पौधों की फेविलोतीटी), नर्सरी और रिटेल घर लगा (पौसमंडप, विकी), बाकि-त्ववराव (फलाल टसा, फायर मैनेजमेंट), और इनडोर-ग्रीन बनाने का काम शामिल है। इन क्षेत्रों में आज बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मौजूद हैं, जो न सिर्फ आत्म-निर्भरता वल्कि पर्यावरण और शहरी जीवन की गुणवत्ता सुधारने में भी सहायक हैं।

इसमें रोजगार के इंटरशिप प्रोग्राम का शेड्यूल इस तरह है- छात्र(छात्र) प्रतिदिन में इंटरशिप करने के लिए कुल समय 120 घंटे है, जिसे हमारे संगठन ने 15 दिनों में पूरा करने के लिए तय किया है। यह इंटरशिप प्रोग्राम 30 दिनों का है, जिसमें 15 दिन छात्री की क्लास, 15 दिन प्रैक्टिकल क्लास, और समर में 3 दिन फील्ड वर्क नगर दोरा, छात्र से फीडबैक लेना और छात्र को सर्टिफिकेट देना शामिल है।



PLANTING



WATERING



PRUNING



NURTURING



GROW GREEN,  
LIVE BETTER!



### INTERNSHIP MODULE FOR 16 DAYS (120 HOURS)

| S.No. | Day             | Session / Topic                       | Key Activities / Learning Points                                                                                                          | Time               | Hours    |
|-------|-----------------|---------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|----------|
| 1.    | First Day       | Introduction to Gardening             | <ul style="list-style-type: none"> <li>Scope &amp; importance of gardening</li> <li>Tools &amp; safety measures</li> </ul>                | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 2.    | Second Day      | Soil Preparation                      | <ul style="list-style-type: none"> <li>Soil types &amp; properties</li> <li>Soil mixing &amp; composting</li> </ul>                       | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 3.    | Third Day       | Plant Nutrition & Fertilizers         | <ul style="list-style-type: none"> <li>Organic &amp; chemical fertilizers</li> <li>Manure, compost &amp; liquid fertilizer</li> </ul>     | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 4.    | Fourth Day      | Pest & Disease Management             | <ul style="list-style-type: none"> <li>Common pests &amp; diseases</li> <li>Natural &amp; chemical control methods</li> </ul>             | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 5.    | Fifth Day       | Garden Planning & Design              | <ul style="list-style-type: none"> <li>Layout, theme &amp; seasonal planning</li> <li>Garden design principles</li> </ul>                 | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 6.    | Sixth Day       | Seed Selection & Germination          | <ul style="list-style-type: none"> <li>Good quality seeds</li> <li>Germination techniques</li> </ul>                                      | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 7.    | Seventh Day     | Nursery Management                    | <ul style="list-style-type: none"> <li>Seedling preparation</li> <li>Nursery bed &amp; polybag method</li> </ul>                          | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 8.    | Eighth Day      | Transplanting Process                 | <ul style="list-style-type: none"> <li>Correct method &amp; spacing</li> <li>Root care &amp; watering</li> </ul>                          | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 9.    | Ninth Day       | Garden Maintenance                    | <ul style="list-style-type: none"> <li>Weeding, pruning &amp; mulching</li> <li>Watering schedule</li> </ul>                              | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 10.   | Tenth Day       | Harvesting & Post-Harvest Handling    | <ul style="list-style-type: none"> <li>Harvesting techniques</li> <li>Grading &amp; storage methods</li> </ul>                            | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 11.   | Eleventh Day    | Field Visit / Farmer Interaction      | <ul style="list-style-type: none"> <li>Real farm visit</li> <li>Practical exposure &amp; discussion</li> </ul>                            | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 12.   | Twelfth Day     | City Garden Visit / Landscaping Study | <ul style="list-style-type: none"> <li>Urban gardening</li> <li>Landscape design ideas</li> </ul>                                         | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 13.   | Thirteenth Day  | Indoor & Outdoor Plant Care           | <ul style="list-style-type: none"> <li>Indoor plants, outdoor plants</li> <li>Potting &amp; display techniques</li> </ul>                 | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 14.   | Fourteenth Day  | Organic Farming & Vermicomposting     | <ul style="list-style-type: none"> <li>Organic inputs &amp; composting</li> <li>Vermicompost unit setup</li> </ul>                        | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 15.   | Fifteenth Day   | Garden Business & Marketing           | <ul style="list-style-type: none"> <li>Costing &amp; pricing strategy</li> <li>Market linkages &amp; sales plan</li> </ul>                | 10:00 AM – 2:00 PM | 6 Hours  |
| 16.   | Project Working |                                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>Complete project work on practical field</li> <li>Report preparation &amp; presentation</li> </ul> |                    | 30 Hours |



TOTAL HOURS : 120 HOURS

### BENEFITS OF GARDENING INTERNSHIP



Improves  
Mental Health



Provides  
Fresh & Healthy  
Food



Enhances  
Environment



Great Career &  
Business  
Opportunities



Community &  
Social  
Connection

PLANT TODAY,  
FOR A BETTER  
TOMORROW!



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



## Day 1

## INTRODUCTION TO GARDENING (बागवानी का परिचय)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Gardening क्या है ?

#### 1.1 बागवानी की परिभाषा

Gardening (बागवानी) एक ऐसी कला और विज्ञान है जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधों जैसे फूल, फल, सब्जियाँ, औषधीय पौधे, सजावटी पौधे और जड़ी-बूटियों को उगाने, उनकी देखभाल करने तथा उनके विकास के लिए उचित वातावरण तैयार करने का कार्य किया जाता है।

“पौधों का सही स्थान पर चयन, रोपण, पोषण, सिंचाई, सुरक्षा एवं नियमित देखभाल करके स्वस्थ और सुंदर पौधे तैयार करना Gardening कहलाता है।”



#### 1.2 Gardening और Agriculture में अंतर

| विंदु    | Gardening                                   | Agriculture                        |
|----------|---------------------------------------------|------------------------------------|
| क्षेत्र  | छोटे या मध्यम क्षेत्र में                   | बड़े क्षेत्र में                   |
| उद्देश्य | फूल, सजावटी पौधे, सब्जी, फलों आदि पर ध्यान  | अनाज, दलहन, तिलहन जैसे मुख्य फसलें |
| स्केल    | छोटे स्तर (घर, कॉलेज, ऑफिस आदि में संभव)    | बड़े पैमाने पर उत्पादन             |
| सौंदर्य  | सुंदरता महत्वपूर्ण                          | उत्पादन महत्वपूर्ण                 |
| उपयोग    | Home, school, hotel, office, commercial आदि | मुख्य रूप से खेतों में             |

### 2 आधुनिक समय में Gardening का महत्व

- पर्यावरण संरक्षण – ऑक्सीजन बढ़ाता है, धूल कम करता है।
- मानसिक स्वास्थ्य – तनाव कम करने में मदद करता है।
- स्वस्थ भोजन – घर पर ताजी सब्जियाँ और herbs मिलते हैं।
- रोजगार – Nursery, Landscaping, Maintenance आदि में अवसर।
- Entrepreneurship – छोटे व्यवसाय के रूप में शुरू किया जा सकता है।
- सौंदर्यीकरण – घर, स्कूल, कॉलेज, होटल, ऑफिस को आकर्षक बनाता है।



### 3 Gardening का Scope

- ✓ Home Gardening (घरेलू बागवानी)
- ✓ Kitchen Gardening (रसोई बागवानी)
- ✓ Terrace Gardening (छत पर बागवानी)
- ✓ Nursery Business (नर्सरी व्यवसाय)
- ✓ Landscaping (लैंडस्केपिंग)
- ✓ Indoor Plant Decoration (इनडोर पौध सजावट)
- ✓ Flower Gardening (फूलों की बागवानी)
- ✓ Vegetable Gardening (सब्जी बागवानी)
- ✓ Commercial Gardening (व्यावसायिक बागवानी)

### 4 Types of Gardening (बागवानी के प्रकार)



Ornamental Gardening  
(सजावटी बागवानी)



Vegetable Gardening  
(सब्जी बागवानी)



Fruit Gardening  
(फल बागवानी)



Herbal Gardening  
(औषधीय बागवानी)



Container Gardening  
(कंटेनर बागवानी)



Vertical Gardening  
(वर्टिकल बागवानी)



Roof / Terrace Gardening  
(छत बागवानी)

### 5 Gardening Tools (बागवानी के उपकरण)



### 6 Gardening Safety (सुरक्षा उपाय)



### 7 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Gardening Tools Identification & Handling

- सभी उपकरणों को एक जगह रखें।
- प्रत्येक tool का नाम पहचानें।
- उनके उपयोग को समझें।
- सही तरीके से पकड़कर उपयोग का अभ्यास करें।
- कार्य समाप्त होने पर उपकरणों को साफ करके रख दें।



### 8 Assignment (अभ्यास कार्य)

#### “मेरे क्षेत्र में Gardening की संभावनाएँ”

निम्न बिंदुओं के आधार पर 1-2 पेज का लेख लिखें:

- मेरे क्षेत्र में किस प्रकार की gardening की जा सकती है?
- यहाँ कौन-कौन से plants आसानी से उगा सकते हैं?
- Home/Kitchen gardening की क्या संभावना है?
- Nursery business की क्या संभावना है?
- Landscaping services की क्या आवश्यकता है?
- Gardening से रोजगार के कौन-कौन से अवसर मिल सकते हैं?
- संभावित ग्राहक कौन हो सकते हैं?
- पर्यावरण के लिए gardening का क्या महत्व है?



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



## Day 2

## SOIL PREPARATION (मिट्टी की तैयारी)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Soil क्या है ?

#### 1.1 Soil की परिभाषा

मिट्टी (Soil) पृथ्वी की ऊपरी परत है जिसमें खनिज कण, जैविक पदार्थ, पानी, हवा और सूक्ष्मजीव मिलकर पौधों के लिए आवश्यक पोषण, जल, वायु और सहारा प्रदान करते हैं।

#### 1.2 Soil के प्रमुख Components

- खनिज कण (Mineral particles)
- जैविक पदार्थ (Organic matter)
- पानी (Water)
- हवा (Air)
- सूक्ष्मजीव (Microorganisms)



#### 1.3 Soil और Plant Growth का संबंध

मिट्टी पौधों को पोषक तत्व, पानी, हवा और जड़ों के फैलने के लिए स्थान प्रदान करती है। स्वस्थ मिट्टी से पौधे बेहतर वृद्धि करते हैं।

### 2 Types of Soil (मिट्टी के प्रकार)



**Sandy Soil**  
(बलुई मिट्टी)

- बड़े कण
- जल निकास अच्छा
- पोषक तत्व कम
- हल्की मिट्टी



**Clay Soil**  
(चिकनी मिट्टी)

- बहुत छोटे कण
- जल धारण क्षमता अधिक
- नमी ज्यादा
- भारी मिट्टी



**Loamy Soil**  
(दोमट मिट्टी)

- रेत, गाद, चिकनी का संतुलित मिश्रण
- उपजाऊ मिट्टी
- पौधों के लिए सबसे उत्तम



**Silt Soil**  
(गादयुक्त मिट्टी)

- बहुत सूक्ष्म कण
- जल धारण मध्यम
- उर्वरता मध्यम
- आसानी से कटाव होता है

### 3 Soil Properties (मिट्टी के गुण)



**Soil Texture**  
(मिट्टी की बनावट)

मिट्टी के कणों का आकार।



**Soil Structure**  
(मिट्टी की संरचना)

कणों का जुड़ाव और आकृति।



**Soil pH**  
(मिट्टी का pH)

मिट्टी की अम्लता या क्षारीयता।



**Water Holding Capacity**  
(जल धारण क्षमता)

पानी रोकने की क्षमता।



**Drainage**  
(जल निकास)

अतिरिक्त पानी निकास की क्षमता।



**Aeration**  
(वायुसंचार)

मिट्टी में हवा की उपलब्धता।



**Organic Matter**  
(जैविक पदार्थ)

मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है।



**Soil Fertility**  
(उर्वरता)

पौधों को पोषक तत्व प्रदान करने की क्षमता।

### 4 Soil Preparation (मिट्टी की तैयारी)



**1. Soil Digging**  
(मिट्टी की खुदाई)

मिट्टी को उलटना और नरम करना।



**2. Soil Loosening**  
(मिट्टी को ढुंढुरा करना)

जड़ों के लिए हवा और जगह बनाना।



**3. Stone & Weeds Removal**  
(पत्थर और खरपतवार हटाना)

पत्थर, कंकड़ और खरपतवार हटाना।



**4. Soil Leveling**  
(मिट्टी समतल करना)

सतह को समतल कर सही जल निकास बनाना।



**5. Bed Preparation**  
(बेड बनाना)

पौधों के लिए उपयुक्त बेड तैयार करना।

### 5 Soil Mixing (मिट्टी का मिश्रण)



**Garden Soil**  
(बाग की मिट्टी)



**Sand**  
(बालू)



**Compost**  
(कम्पोस्ट)



**Vermicompost**  
(वर्मिकम्पोस्ट)



**Cocopeat**  
(कोकोपीट)



**Other Growing Media**  
(अन्य माध्यम)

सामान्य पॉटिंग मिक्स अनुपात (उदाहरण)

Garden Soil : Sand : Compost : Vermicompost : Cocopeat  
= 2 : 1 : 1 : 1 : 1

### 6 Composting (कम्पोस्ट बनाना)

#### 6.1 Compost क्या है ?

जैविक कचरे को प्राकृतिक रूप से सड़ाकर प्राप्त होने वाली पौधों तत्वों से भरपूर खाद को कम्पोस्ट कहा जाता है।



#### 6.2 Compost के लाभ

- मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है
- मिट्टी की संरचना सुधारता है
- जल धारण क्षमता बढ़ाता है
- उपयोगी सूक्ष्मजीव बढ़ाता है
- रासायनिक उर्वरक की आवश्यकता कम करता है
- पौधों की अच्छी वृद्धि में सहायक है

#### 6.3 Compost तैयार करने की basic प्रक्रिया

- जैविक कचरा (सूखी पत्तियाँ, रसोई कचरा, घास आदि) एकत्र करें।
- परतों में सामग्री को रखें (कम्पेन-डिब्बे/बिन्दुन-सू बल्कल)
- प्रत्येक परत पर थोड़ा मिट्टी और पानी डालें।
- नमी 50-60% बनाए रखें।
- समय-समय पर पलटाई करें।
- 2-3 महीनों में अच्छी गुणवत्ता का कम्पोस्ट तैयार हो जाता है।



### 7 Practical Work (व्यवहारिक कार्य)

#### Potting Mix Preparation (पॉटिंग मिक्स तैयार करना)



#### प्रक्रिया :-

- सभी सामग्री को निर्धारित अनुपात में लें।
- उन्हें अच्छी तरह मिलाएँ।
- नमी जाँचें (हल्की नमी होनी चाहिए)।
- पॉट या ग्रे बैग में भरकर उपयोग हेतु तैयार करें।

### 8 Assignment (अभ्यास कार्य)

अपने क्षेत्र की मिट्टी का  
**Soil Observation Report तैयार करें।**

रिपोर्ट में शामिल करें :-

- मिट्टी का स्थान (गाँव/खेत/पर)
- मिट्टी का प्रकार (रेतीली/चिकनी/दोमट/गादयुक्त)
- मिट्टी का रंग और बनावट
- मिट्टी का pH (यदि उपलब्ध हो)
- जल धारण क्षमता (आपके अवलोकन के अनुसार)
- मिट्टी में पत्थर/खरपतवार की स्थिति
- मिट्टी की उर्वरता के अनुसार किन पौधों की उपयुक्तता
- सुझाव (हस मिट्टी में कौन-सी फसल/पौधे उगाए जा सकते हैं?)

**SOIL OBSERVATION REPORT**

Location : \_\_\_\_\_

Soil Type : \_\_\_\_\_

Colour : \_\_\_\_\_

Texture : \_\_\_\_\_

pH : \_\_\_\_\_

Remarks : \_\_\_\_\_



# S.U. AGRO ENTERPRISES

Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



## Day 3

## PLANT NUTRITION & FERTILIZERS (पौधों का पोषण एवं उर्वरक)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Plant Nutrition (पौधों का पोषण)

#### 1.1 पौधों को nutrients की आवश्यकता क्यों होती है ?

- पौधों की वृद्धि और विकास के लिए।
- हरी पत्तियों, मजबूत तना और स्वस्थ जड़ बनाने के लिए।
- फूल, फल और बीज उत्पादन के लिए।
- रोग एवं प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाव के लिए।
- मिट्टी से उपलब्ध पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए।

#### 1.2 Nutrients के प्रकार

- Macronutrients (मुख्य पोषक तत्व)
- Micronutrients (सूक्ष्म पोषक तत्व)



संतुलित पोषण से पौधे स्वस्थ, हरे-भरे और अधिक उत्पादन देने वाले होते हैं।

### 3 Secondary Nutrients (द्वितीयक पोषक तत्व)

#### Calcium (Ca)



- कोशिका भित्ति मजबूत बनाता है
- नई जड़ों का विकास
- पत्तियों की गुणवत्ता

#### Magnesium (Mg)



- क्लोरोफिल का मुख्य घटक
- प्रकाश संश्लेषण में मदद
- पत्तियों को हरा रखता है

#### Sulphur (S)



- प्रोटीन निर्माण में सहायक
- पत्तियों का विकास
- तेल एवं सुगंधित तत्व बनाने में मदद

### 2 Major Nutrients (सूक्ष्म पोषक तत्व)

#### Nitrogen (N)



- पत्तियों की वृद्धि
- हरा रंग (क्लोरोफिल)
- तना और शाखाओं का विकास

#### लक्षण

कमी से पत्तियाँ पीली हो जाती हैं।

#### Phosphorus (P)



- जड़ का विकास
- फूल और फल निर्माण
- बीज की गुणवत्ता

#### लक्षण

कमी से पौधों की वृद्धि रुक जाती है।

#### Potassium (K)



- रोग प्रतिरोधक क्षमता
- फूल और फल की गुणवत्ता
- सूखा एवं प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाव

#### लक्षण

कमी से पत्तियों के किनारे जलने लगते हैं।



### 4 Micronutrients (सूक्ष्म पोषक तत्व)

#### Iron (Fe)



- क्लोरोफिल निर्माण में मदद
- कमी से पत्तियाँ पीली होती हैं

#### Zinc (Zn)



- वृद्धि हार्मोन (ऑक्सिन) में मदद
- कमी से पत्तियाँ छोटी हो जाती हैं

#### Boron (B)



- फूल और फल निर्माण में सहायक
- कमी से फूल गिर सकते हैं।

#### Manganese (Mn)



- प्रकाश संश्लेषण में सहायक
- कमी से पत्तियाँ पर धब्बे आते हैं

#### Copper (Cu)



- एंजाइम गतिविधि में सहायक
- कमी से पौधे कमजोर होते हैं

#### Molybdenum (Mo)



- नत्रोजन के उपयोग में सहायक
- कमी से पत्तियाँ विकृत हो जाती हैं



### 5 Organic Fertilizers (जैविक उर्वरक)



#### FYM (गोबर की खाद)



#### Compost (कम्पोस्ट/कम्पोस्ट)

- मिट्टी की संरचना सुधाराता है।
- सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाता है।
- मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ाता है।
- धीरे-धीरे पोषक तत्व देता है।
- पर्यावरण के लिए सुरक्षित है।



#### Vermicompost (वर्मी कम्पोस्ट)



#### Neem Cake (नीम खली)



#### Bone Meal (हड्डी का चूरा)

### 6 Chemical Fertilizers (रासायनिक उर्वरक)



#### Urea (यूरिया)



#### DAP (डीएपी)



#### MOP (न्यूरेट ऑफ पोटाश)



#### NPK Fertilizers (एनपीके उर्वरक)

- जल्दी असर करता है।
- उच्च पोषक तत्व मात्रा।
- फसल की निश्चित आवश्यकता के अनुसार उपयोग करें।
- अधिक मात्रा में उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।
- संतुलित एवं बैज्ञानिक तरीके से उपयोग करना चाहिए।

### 7 Liquid Fertilizers (द्रव उर्वरक)



#### Liquid Organic Fertilizer (तरल जैविक उर्वरक)

- जैविक सामग्री से तैयार।
- पौधों द्वारा जल्दी अवशोषित।
- पत्तियों और जड़ों दोनों के लिए उपयोगी।



#### Compost Tea (कम्पोस्ट टी)

- कम्पोस्ट से तैयार।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर।
- मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करता है।



#### Foliar Application (पत्तीय छिड़काव)

- पत्तियों पर सीधे पोषक तत्वों का छिड़काव।
- जल्दी असर करता है।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए उपयोगी।

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Organic manure की पहचान एवं पौधे में application

1. विभिन्न जैविक उर्वरकों की पहचान करें।
2. FYM, कम्पोस्ट और वर्मी कम्पोस्ट को अलग-अलग पहचानें।
3. मिट्टी में जैविक उर्वरक मिलाते का अवलोकन करें।
4. गमले/डेड में पौधे में उर्वरक देने का तरीका सीखें।
5. जैविक और रासायनिक उर्वरक का अंतर समझें।



### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)

#### "N-P-K का पौधों में महत्व" पर लिखें!

1. N, P और K क्या है?
2. पौधों में इनका क्या महत्व है?
3. N, P, K की कमी के लक्षण क्या हैं?
4. संतुलित उर्वरक उपयोग के लाभ क्या हैं?
5. किसी एक फसल में N, P, K का उपयोग कैसे किया जाता है? (1-2 पेज में लिखें)



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



### Day 4

## PEST & DISEASE MANAGEMENT (कीट एवं रोग प्रबंधन)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Plant Pest क्या है ?

#### 1.1 Pest की परिभाषा

जो जीव पौधों के किसी भाग को नुकसान पहुँचाकर उनके विकास, उत्पादकता और गुणवत्ता को कम करते हैं, उन्हें Plant Pest (कीट) कहा जाता है।



“यह पौधों की पत्तियों, तनों, जड़ों, फूलों और फलों पर भोजन करके पौधों को कमजोर एवं नुकसान पहुँचाते हैं।”



#### Common garden pests (सामान्य बागवानी कीट)

- Chusak कीट (sap-sucking pests)
- Katne-chabane वाले कीट (chewing pests)
- Bore करने वाले कीट
- मिट्टी में रहने वाले कीट

### 2 Common Insects (सामान्य कीट)



Aphids  
(एफिड)



Whitefly  
(व्हाइटफ्लाई)



Mealybug  
(मिलीबग)



Caterpillar  
(इल्ली)



Thrips  
(थ्रिप्स)



Spider mites  
(स्याइडर माइट्स)

### 3 Plant Diseases (पौधों के रोग)



Fungal diseases  
(कवकजनित रोग)



Bacterial diseases  
(जीवाणुजनित रोग)



Viral diseases  
(विषाणुजनित रोग)



Root diseases  
(जड़जनित रोग)

### 4 Disease Symptoms (रोगों के लक्षण)



Yellowing  
(पौला पड़ना)



Leaf spots  
(पत्ती पर धब्बे)



Wilting  
(मुरझाना)



Leaf curling  
(पत्ती मुड़ना)



Root rot  
(जड़ सड़ना)



Powdery growth  
(सफेद फफूंद)

### 5 Natural Control (प्राकृतिक नियंत्रण)



Manual removal  
(हाथ से हटाना)



Neem-based solutions  
(नीम आधारित घोल)



Biological control  
(जैविक नियंत्रण)



Sanitation  
(सफाई एवं स्वच्छता)

### 6 Chemical Control (रासायनिक नियंत्रण)



Pesticide का basic परिचय  
(कीटनाशक की जानकारी)



Label instructions  
(लेबल निर्देश)



PPE  
(व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण)



Safe storage  
(सुरक्षित भंडारण)

### 7 Integrated Pest Management – IPM (एकीकृत कीट प्रबंधन)



Prevention  
(रोकथाम)  
स्वस्थ पौधे व  
सही देखभाल



Monitoring  
(नियमित निगरानी)  
समय-समय पर  
निरीक्षण



Identification  
(पहचान)  
कीट व रोग की  
सही पहचान



Biological control  
(जैविक नियंत्रण)  
प्राकृतिक शत्रु एवं  
जैविक उपाय



Need-based  
chemical control  
(आवश्यकतानुसार  
रासायनिक नियंत्रण)  
केवल आवश्यकता  
पर उपयोग

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Pest एवं disease identification

- 1 विभिन्न पौधों की पत्तियों का निरीक्षण करें।
- 2 कीटों की पहचान करें।
- 3 रोग के लक्षणों की पहचान करें।
- 4 फोटो लेकर उनका रिकॉर्ड बनाएं।
- 5 Observation Record तैयार करें।



### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)



5 common  
garden pests का  
Identification  
Chart बनाएं।  
(चित्र, नाम,  
पहचान लक्षण  
और नियंत्रण  
विधि सहित)



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

# Day 5

## GARDEN PLANNING & DESIGN

(Garden Planning एवं Design)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Garden Planning (बागवानी की योजना)

#### 1 Garden site selection (स्थान का चयन)

- खुला एवं सुरक्षित स्थान
- अच्छी जल निकासी
- मिट्टी की गुणवत्ता
- हवा का प्रवाह



#### 2 Area measurement (क्षेत्रफल का माप)

- लंबाई और चौड़ाई मापना
- उपलब्ध स्थान का सही उपयोग
- स्केच बनाना



#### 3 Sunlight assessment (धूप का आकलन)

- कम से कम 4-6 घंटे धूप
- सुबह की धूप सबसे अच्छी
- छायादार एवं धूप वाले क्षेत्र की पहचान



#### 4 Water source (पानी का स्रोत)

- नजदीक पानी की उपलब्धता
- सिंचाई की सुविधा
- टैंप, पाइप या water storage
- ड्रेनेज का ध्यान



### 3 Garden Layout (बगीचे की संरचना)

Water Point  
(जल स्रोत)

Plant Beds  
(पौधों की क्यारियों)

Lawn  
(घास का मैदान)



Seating Area  
(बैठने का स्थान)

Pathway  
(चलने का रास्ता)

Entrance  
(प्रवेश द्वार)

### 2 Garden Design Principles (डिज़ाइन के सिद्धांत)



Balance  
(संतुलन)

दोनों तरफ समानता से सुंदरता आती है।



Proportion  
(अनुपात)

स्थान के अनुसार पौधों का सही आकार।



Rhythm  
(लय)

बार-बार दोहराव से समरूपता बनती है।



Harmony  
(सामंजस्य)

रंग, आकार और पौधों का मिलान।



Contrast  
(विपरीतता)

विभिन्न रंग, आकार और बनावट का संयोजन।



Focal Point  
(मुख्य आकर्षण)

Garden में मुख्य आकर्षक केंद्र।

### 4 Plant Selection (पौधों का चयन)



Height (ऊँचाई)

- छोटे, मध्यम, बड़े पौधे का चयन।



Shape (आकृति)

- गोल, पिरामिड, फैलाव आदि आकार।



Colour (रंग)

- रंगों का संतुलित चयन।



Growth habit  
(विकास का स्वरूप)

- झाड़ी, फैलने वाले, चढ़ने वाले पौधे।



Sunlight requirement  
(धूप की आवश्यकता)

- धूप पसंद या छायादार पौधे।



Water requirement  
(पानी की आवश्यकता)

- कम पानी, मध्यम या अधिक पानी वाले पौधे।

### 5 Seasonal Planning (मौसमी योजना)

#### Summer Plants (गर्मी के पौधे)



- गर्मी सहनशील पौधे
- कम पानी में बढ़ने वाले
- रंग-विरंगे फूल

#### Winter Plants (सर्दियों के पौधे)



- ठंड में अच्छी वृद्धि
- सुंदर फूलों वाले पौधे
- बेड और गमले के लिए उपयुक्त

#### Rainy Season Plants (बरसात के पौधे)



- नमी पसंद पौधे
- तेजी से वृद्धि
- हरे-भरे और फूलों वाले पौधे

#### Seasonal Vegetables & Herbs (मौसमी सब्जियाँ एवं जड़ी-बुटियाँ)



- मौसम के अनुसार बोई जाने वाली सब्जियाँ
- किचन गार्डन के लिए उपयुक्त
- स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

### 6 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### 10 × 15 ft garden का layout design

- 1 10 × 15 ft क्षेत्र का माप लें।
- 2 Garden का layout बनाएँ (paper पर)।
- 3 Entrance, pathway, lawn, plant beds, water point और seating area दिखाएँ।
- 4 Suitable plants का चयन करें।
- 5 तैयार layout को trainer के साथ discuss करें।



Sample Layout (10 × 15 ft)

### 7 Assignment (अभ्यास कार्य)



अपने घर/कॉलेज के लिए एक Garden Plan बनाएँ।

निम्न बिंदुओं को शामिल करें:

- 1 क्षेत्र का माप (drawing के साथ)
- 2 Garden layout (entrance, pathway, lawn, plant beds, water point, seating area)
- 3 पौधों की सूची (flower, ornamental, vegetable, herbs)
- 4 पौधों के चयन का कारण
- 5 Seasonal plan
- 6 साफ और आकर्षक drawing एवं विवरण।



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



## Day 6

## SEED SELECTION & GERMINATION (बीज चयन एवं अंकुरण)



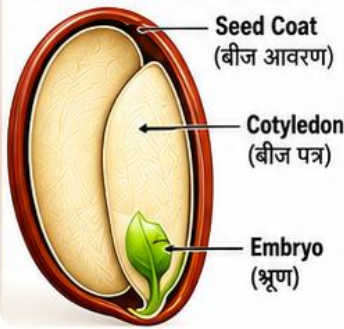
Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Seed क्या है ? (बीज की परिभाषा)

- Seed की परिभाषा – बीज वह संरचना है जिससे नई पौध (plant) विकसित होती है।
- Seed structure (बीज की संरचना) – बीज में बाहरी आवरण, बीजपत्र और भ्रूण होता है।
- Seed quality (बीज की गुणवत्ता) – स्वस्थ, शुद्धता, परिपक्वता और अंकुरण क्षमता ही गुणवत्तापूर्ण बीज की पहचान है।

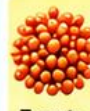
**बीज का महत्व :** बीज पौधों की अगली पीढ़ी उत्पन्न करने वाला एक जीवित भाग है, इसलिए इसकी गुणवत्ता नई पौधों की सफलता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

#### Seed Structure (बीज की संरचना)

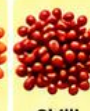


### 2 Good Quality Seed (अच्छे बीज की पहचान)

- ✓ Healthy seed – स्वस्थ एवं कीट/रोग मुक्त
- ✓ Pure seed – सही प्रजाति का बीज
- ✓ Proper maturity – पूर्ण रूप से परिपक्व
- ✓ Good germination percentage – उच्च अंकुरण क्षमता



Tomato  
(टमाटर)



Chilli  
(मिर्च)



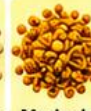
Brinjal  
(बैंगन)



Spinach  
(पालक)



Coriander  
(धनिया)



Marigold  
(गेंदा)

### 3 Seed Selection (बीज का चयन)

- ✓ Variety selection – उद्देश्य के अनुसार किस्म का चयन
- ✓ Seasonal selection – मौसम के अनुसार उपयुक्त बीज
- ✓ Certified/quality source – प्रमाणित एवं विश्वसनीय स्रोत से बीज



Tomato  
(उच्च उत्पादन वाली किस्म)



Coriander  
(उच्च अंकुरण)



Marigold  
(संकर/हाईब्रिड किस्म)



Spinach  
(गुणवत्तापूर्ण बीज)

### 4 Seed Treatment (बीज उपचार)

- Seed cleaning – खराब, हल्के और रोगग्रस्त बीज हटाना
- Basic treatment concepts – फफूंदी और रोग नियंत्रण
- Disease prevention – बीज जनित रोगों से बचाव



बीज की सफाई  
(Seed Cleaning)



Trichoderma Treatment  
(जैविक उपचार)



Fungicide Treatment  
(रासायनिक उपचार)

### 5 Germination (अंकुरण)

- Germination क्या है ? – बीज से नई पौधे का निकलना
- Temperature – सानान्यतः 20–30°C
- Moisture – उचित नमी आवश्यक
- Oxygen – वायु (ऑक्सीजन) आवश्यक
- Light requirement – कुछ बीजों के लिए प्रकाश आवश्यक, कुछ के लिए अंधकार

#### बीज से पौधा बनने की प्रक्रिया



### 6 Seed Sowing (बीज बोने की विधि)

- Sowing depth – बीज के आकार के अनुसार गहराई
- Spacing – पौधों के बीच उचित दूरी
- Watering – हल्की सिंचाई
- Seed tray – nursery में बीज बोने के लिए उपयोगी



बीज बोना



Seed Tray  
(सीड ट्रे)



हल्की सिंचाई  
(Watering)

### 7 Germination Percentage (अंकुरण प्रतिशत)

$$\text{Germination \%} = \frac{\text{Germinated Seeds}}{\text{Total Seeds}} \times 100$$

#### उदाहरण:

कुल बीज = 20  
अंकुरित बीज = 18  
Germination % =  $\frac{18}{20} \times 100 = 90\%$

अधिकांश सब्जियों के लिए  
70–90% अंकुरण प्रतिशत  
अच्छा माना जाता है।

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Seed Tray में Seed Sowing (सीड ट्रे में बीज बोना)

- 1 Seed tray को तैयार करें।
- 2 Growing media (मिट्टी + कंपोस्ट + रेत) भरें।
- 3 Cells में छोटे गड्ढे बनाएं।
- 4 बीज को उचित गहराई पर बोएं।
- 5 हल्की मिट्टी से ढकें।
- 6 हल्की सिंचाई करें।
- 7 ट्रे को उचित स्थान पर रखें।

सीड ट्रे में बीज बोना और अंकुरित पौधे

### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)

20 seeds का Germination Record तैयार करें।

| Day   | Total Seeds<br>(कुल बीज) | Germinated Seeds<br>(अंकुरित बीज) | Observation<br>(अवलोकन) |
|-------|--------------------------|-----------------------------------|-------------------------|
| Day 1 | 20                       | -                                 | -                       |
| Day 2 | 20                       | -                                 | -                       |
| Day 3 | 20                       | -                                 | -                       |
| Day 4 | 20                       | -                                 | -                       |
| Day 5 | 20                       | -                                 | -                       |
| Day 6 | 20                       | -                                 | -                       |
| Day 7 | 20                       | -                                 | -                       |



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



## Day 7

## NURSERY MANAGEMENT (पौधशाला प्रबंधन)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Nursery क्या है ?

#### 1.1 Nursery की परिभाषा

Nursery वह स्थान है जहाँ विभिन्न प्रकार के पौधों के बीज, कलम, ग्राफ्टेड पौधे या seedlings को नियंत्रित वातावरण में तैयार किया जाता है ताकि उन्हें बाद में मुख्य खेत, बगीचे या ग्राहक को रोपण के लिए दिया जा सके।

#### Nursery का महत्त्व

- ✓ गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार होते हैं
- ✓ रोगमुक्त पौधे मिलते हैं
- ✓ उच्च उत्पादन में मदद
- ✓ आर्थिक लाभ का स्रोत
- ✓ व्यावसायिक अवसर
- ✓ हरियाली और पर्यावरण संरक्षण

#### Nursery के प्रकार

- ✓ Seed Nursery (बीज से)
- ✓ Vegetative Nursery (कलम/काटिंग से)
- ✓ Fruit Nursery (फल पौधे)
- ✓ Ornamental Plant Nursery (सजावटी पौधे)
- ✓ Herbal Plant Nursery (औषधीय पौधे)
- ✓ Commercial Nursery (व्यावसायिक)



### 2 Nursery Site Selection (स्थान का चयन)



**Water availability**  
(पानी की उपलब्धता)



**Drainage**  
(जलनिकासी)



**Sunlight**  
(पर्याप्त धूप)



**Protection**  
(सुरक्षा व्यवस्था)

### 3 Nursery Bed Preparation (नर्सरी बेड की तैयारी)



- ✓ **Soil preparation**  
(मिट्टी की तैयारी)
- ✓ **Raised bed**  
(उठा हुआ बेड)
- ✓ **Bed size**  
(बेड का आकार)  
लंबाई : 3-10 मीटर  
चौड़ाई : 1-1.2 मीटर  
ऊंचाई : 15-30 सेमी
- ✓ **Drainage**  
(जलनिकासी व्यवस्था)

### 4 Polybag Nursery (पॉलिबैग नर्सरी)



**Polybag selection**  
(पॉलिबैग का चयन)

- Size (आकार)
- Thickness (मोटाई)
- Drainage holes (निकासी छेद)



**Growing media**  
(उगाने का माध्यम)

- Garden soil
- Compost
- Sand
- Cocopeat
- Vermicompost



**Filling method**  
(भरने की विधि)

- सही मिश्रण
- उचित दबाव
- ऊपर से 1-2 सेमी खाली स्थाप रखें



**Seed sowing**  
(बीज बोने की विधि)

- बीज की गहराई
- उचित दूरी
- हल्की सिंचाई नमी बनाए रखें

### 5 Seedling Management (पौध प्रबंधन)



#### Watering (सिंचाई)

- नियमित सिंचाई
- न अधिक, न कम
- सुबह/शाम



#### Light (प्रकाश)

- पर्याप्त धूप
- Shade net का उपयोग
- प्रजाति अनुसार प्रकाश



#### Nutrition (पोषण)

- जैविक खाद
- हल्की मात्रा में उर्वरक
- Foliar spray (आवरण अनुसार)



#### Weed management (खरपतवार नियंत्रण)

- नियमित निरीक्षण
- हाथ से निकालना
- बेड की सफाई रखना

### 6 Seedling Problems (पौधों की समस्याएँ)



#### Damping-off (डेमिंग-ऑफ)

- फफूंद जनित रोग
- गले में सड़न
- अधिक नमी से होता है



#### Weak seedlings (कमजोर पौधे)

- पतली टहलियाँ
- कम पत्तियाँ
- पोषण की कमी



#### Overwatering (अधिक पानी देना)

- जड़ों में सड़न
- पत्तियों पीली
- फफूंद रोग का खतरा



#### Nutrient deficiency (पोषक तत्वों की कमी)

- पत्तियों पीली/धब्बेदार
- विकास रुकना
- उचित पोषण की आवश्यकता

### 7 Hardening (हार्डनिंग)

#### 7.1 Hardening का महत्त्व

- ✓ पौधों को बाहरी वातावरण के लिए तैयार करता है
- ✓ Transplanting के बाद survival rate बढ़ाता है
- ✓ पौधों को मजबूत और स्वस्थ बनाता है

#### 7.2 Transplanting से पहले तैयारी

- ✓ धीरे-धीरे धूप में रखना
- ✓ सिंचाई की मात्रा कम करना
- ✓ हवा और खुले वातावरण में रखना
- ✓ मजबूत एवं रोगमुक्त पौधों का चयन करना



**Hardened Seedlings**  
(हार्डनिंग किए हुए पौधे)

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Nursery Bed / Polybag Preparation

- 1 Nursery site की पहचान करें।
- 2 मिट्टी एवं सामग्री तैयार करें।
- 3 Raised bed बनाएं।
- 4 Polybag में growing media भरें।
- 5 Seeds sowing करें।
- 6 सही तरीके से सिंचाई करें।
- 7 Shade net की व्यवस्था करें।



### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)

#### Nursery Management Checklist बनाएं

- ☐ Site selection सही है
- ☐ Water availability है
- ☐ Drainage की व्यवस्था है
- ☐ Soil preparation की गई है
- ☐ Beds सही आकार के हैं
- ☐ Polybags की गुणवत्ता सही है
- ☐ Growing media तैयार है
- ☐ Seeds की सही मात्रा निकाला गया है
- ☐ सिंचाई की व्यवस्था है
- ☐ Shade / Protection है
- ☐ Seedling management किया गया है
- ☐ Hardening की प्रक्रिया अपनाई गई है







# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



## Day 9

## GARDEN MAINTENANCE (बगीचे की देखभाल)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Garden Maintenance का महत्व

Garden Maintenance पौधों के स्वस्थ विकास, सुंदर दिखावट और लंबे समय तक उत्पादन के लिए आवश्यक है। नियमित देखभाल से पौधों में रोग और कीटों का प्रकोप कम होता है, मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और बगीचा हमेशा आकर्षक व व्यवस्थित दिखता है।

#### मुख्य लाभ

- ✓ पौधों की अच्छी वृद्धि
- ✓ अधिक फूल और फल
- ✓ कीट एवं रोगों की रोकथाम
- ✓ मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार
- ✓ सुंदर और साफ बगीचा
- ✓ लंबे समय तक पौधों की उम्र



### 2 Weeding (खरपतवार नियंत्रण)

- Weed identification (खरपतवार की पहचान)
- Manual weeding (हाथ से निराई-गुड़ाई)
- Weed prevention (खरपतवार की रोकथाम)



Common Weeds  
(सामान्य खरपतवार)



Manual Weeding  
(हाथ से निराई)



Weed Prevention  
(रोकथाम)

### 3 Pruning (छंटाई)

- Pruning क्या है ?
- Dry branch removal (सूखी शाखाओं को हटाना)
- Shape pruning (आकार देने के लिए छंटाई)
- Basic pruning tools (छंटाई के उपकरण)



#### Pruning के प्रकार



Dry Branch Removal  
(सूखी शाखा हटाना)



Shape Pruning  
(आकार देने की छंटाई)



Flowering Pruning  
(फूलों के लिए छंटाई)

#### Pruning Tools



Pruning Shear  
(छंटाई कैंची)



Secateurs  
(सिकेच्युअर)



Lopper  
(लोपर)

### 4 Mulching (मल्लिंग)

- Organic mulch (जैविक मल्ल)
- Dry leaves (सूखी पत्तियाँ)
- Straw (पराली)
- Mulching के लाभ



#### Mulching Materials



Dry Leaves  
(सूखी पत्तियाँ)



Straw  
(पराली)



Grass Mulch  
(घास मल्ल)



Cocopeat  
(कोकोपीट)



Wood Chips  
(लकड़ी के टुकड़े)

#### Mulching के लाभ

- ✓ मिट्टी में नमी बनाए रखता है
- ✓ खरपतवार कम करता है
- ✓ मिट्टी का तापमान नियंत्रित करता है
- ✓ जैविक पदार्थ बढ़ाता है।
- ✓ जमीन की उर्वरता में सुधार करता है

### 5 Watering (सिंचाई)

- Water requirement (पानी की आवश्यकता)
- Morning/evening watering (सुबह/शाम सिंचाई)
- Overwatering (अधिक पानी)
- Underwatering (कम पानी)



Proper Watering  
(सही सिंचाई)



Overwatering  
(अधिक पानी के लक्षण)



Underwatering  
(कम पानी के लक्षण)

#### Watering Tips

- ✓ सुबह या शाम को पानी दें
- ✓ मौसम अनुसार पानी की मात्रा दें
- ✓ जल निकासी (drainage) का ध्यान रखें
- ✓ गमलों में ज्यादा पानी न दें
- ✓ मिट्टी थोड़ी सूखी होने पर ही पानी दें

### 6 Cleaning (सफाई)

- Dry Leaves removal (सूखी पत्तियों हटाना)
- Fallen flowers (गिरे हुए फूल हटाना)
- Diseased plant material (रोगग्रस्त पौधे हटाना)



Dry Leaves Removal  
(सूखी पत्तियाँ)



Fallen Flowers  
(गिरे हुए फूल)



Diseased Plant Material  
(रोगग्रस्त भाग)

### 7 Maintenance Schedule (देखभाल का कार्यक्रम)

| कार्य                | Daily (दैनिक) | Weekly (साप्ताहिक) | Monthly (मासिक) |
|----------------------|---------------|--------------------|-----------------|
| Watering (सिंचाई)    | ✓             | -                  | -               |
| Weeding (निराई)      | -             | ✓                  | -               |
| Pruning (छंटाई)      | -             | -                  | ✓               |
| Mulching (मल्लिंग)   | -             | ✓                  | -               |
| Cleaning (सफाई)      | ✓             | -                  | -               |
| Fertilizer/Compost   | -             | -                  | ✓               |
| Pest & Disease Check | -             | ✓                  | -               |
| General Maintenance  | ✓             | ✓                  | -               |

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Weeding + Pruning + Mulching



1 Weeding  
(निराई)



2 Pruning  
(छंटाई)



3 Mulching  
(मल्लिंग)



### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)

एक 7-Day Garden Maintenance Chart तैयार करें।



| Day   | Date | कार्य (Activity) | विवरण | पूरा हुआ (✓) |
|-------|------|------------------|-------|--------------|
| Day 1 |      |                  |       |              |
| Day 2 |      |                  |       |              |
| Day 3 |      |                  |       |              |
| Day 4 |      |                  |       |              |
| Day 5 |      |                  |       |              |
| Day 6 |      |                  |       |              |
| Day 7 |      |                  |       |              |



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES



This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

# Day 10

## HARVESTING & POST-HARVEST HANDLING (कटाई एवं कटाई के बाद प्रबंधन)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Harvesting क्या है ?

Harvesting (कटाई) वह प्रक्रिया है जिसमें पौधों के परिपक्व भाग जैसे फल, सब्जी, फूल, पत्तियों, जड़ या अन्य उत्पाद को उचित समय पर पौधे से अलग किया जाता है। सही समय पर कटाई करने से उपज की गुणवत्ता, स्वाद, पोषक तत्व और बाजार मूल्य बेहतर मिलता है।



### 2 Correct Harvesting Stage (सही कटाई अवस्था)



**Immature**  
(अपरिपक्व)

- आकार छोटा
- पूर्ण विकसित नहीं
- बाजार गुणवत्ता कम



**Mature**  
(परिपक्व)

- सही आकार
- अच्छा रंग व स्वाद
- बाजार के लिए उपयुक्त



**Fully mature**  
(पूर्ण परिपक्व)

- बीज बनने लगता है
- कुछ फसलों में उपयुक्त
- भंडारण के लिए अच्छा

### 3 Harvesting Methods (कटाई के तरीके)



**Hand harvesting**  
(हाथ से तोड़ना)  
नरम और कोमल  
उत्पादों के लिए



**Cutting**  
(काटना)  
डंठल या शाखा  
सहित कटाई



**Plucking**  
(चुनना)  
फूलों के लिए  
हल्के हाथ से



**Digging**  
(उखाड़ना)  
जड़ वाली फसलों  
के लिए

### 4 Harvesting Tools (कटाई के उपकरण)



**Scissors**  
(कैंची)



**Knife**  
(चाकू)



**Secateurs**  
(कार्टिंग कैंची)



**Basket**  
(टोकरी)

### 5 Post Harvest Handling (कटाई के बाद प्रबंधन)



**Cleaning**  
(सफाई)



**Sorting**  
(छँटाई)



**Grading**  
(ग्रेडिंग)



**Packaging**  
(पैकिंग)

### 6 Storage (भंडारण)



**Temperature**  
(तापमान)

उत्पाद के अनुसार  
उपयुक्त तापमान  
(जैसे 10-15°C)



**Humidity**  
(आर्द्रता)

उचित नमी स्तर  
बनाए रखें



**Ventilation**  
(वातायन)

ताजी हवा का  
संचार आवश्यक



**Clean Storage**  
(स्वच्छ भंडारण)

साफ, रोगमुक्त  
और सुखा भंडारण  
स्थान रखें

### 7 Marketing Preparation (बाजार के लिए तैयारी)



**Packaging**  
(पैकिंग)



**Labeling**  
(लेबलिंग)



**Transportation**  
(परिवहन)  
समय पर और सुरक्षित

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Harvesting एवं Grading Demonstration

1. विभिन्न फसलों की कटाई का प्रदर्शन।
2. सही औजार का उपयोग करके कटाई।
3. कटाई के बाद सफाई, छँटाई और ग्रेडिंग का अभ्यास।
4. उपज को पैक करके प्रस्तुति तैयार करना।



### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)

किसी एक vegetable/flower का Harvest-to-Market Flow Chart बनाएं।

उदाहरण:  
टमाटर (Tomato)  
का Harvest-to-Market  
Flow Chart



**Cultivation**  
(उत्पादन)



**Harvesting**  
(कटाई)



**Cleaning**  
(सफाई)



**Sorting**  
(छँटाई)



**Grading**  
(ग्रेडिंग)



**Packaging**  
(पैकिंग)



**Transportation**  
(परिवहन)



**Market**  
(बाजार)



**Consumer**  
(उपभोक्ता)



**Consumer**  
(उपभोक्ता)



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

# Day 11

## FIELD VISIT / FARMER INTERACTION (Field Exposure)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Field Visit का उद्देश्य

- ✓ वास्तविक खेती एवं बागवानी की स्थिति को समझना।
- ✓ कक्षा में सीखी गई बातों को practically देखना।
- ✓ किसानों के अनुभव से सीखना।
- ✓ स्थानीय परिस्थितियों, समस्याओं और उनके समाधान को जानना।
- ✓ Gardening को व्यवसाय के रूप में समझना।
- ✓ स्वयं के भविष्य के लिए practical knowledge प्राप्त करना।



### 2 Farm/Garden Observation (खेत / बागान का अवलोकन)



**Soil**  
(मिट्टी)

- मिट्टी का प्रकार
- मिट्टी की स्थिति
- जैविक पदार्थ
- जल धारण क्षमता



**Plants**  
(पौधे)

- फसल/पौधों की स्थिति
- वृद्धि (Growth)
- स्वास्थ्य (Health)
- रोग/कीट की स्थिति



**Irrigation**  
(सिंचाई)

- सिंचाई का स्रोत
- सिंचाई का तरीका
- पानी की उपलब्धता
- जल प्रबंधन



**Nursery**  
(पौधशाला)

- पौधशाला व्यवस्था
- प्लांटिंग मटेरियल
- seedlings की स्थिति
- नर्सरी प्रबंधन



**Pest Management**  
(कीट प्रबंधन)

- मुख्य कीट/रोग
- नियंत्रण के तरीके
- जैविक/रासायनिक उपाय
- प्रतिवधात्मक उपाय

### 3 Farmer Interaction (किसान से बातचीत)

**विचार्यी farmer से निम्न प्रश्न पूछें:**

- 1 कौन-सी crops उगाते हैं?
- 2 कौन-सा planting material इस्तेमाल करते हैं?
- 3 सिंचाई कैसे करते हैं?
- 4 मुख्य pest/disease क्या हैं?
- 5 Labour requirement क्या हैं?
- 6 Production cost कितनी हैं?
- 7 Marketing कहाँ करते हैं?
- 8 सबसे बड़ी समस्या क्या हैं?



### 4 Practical Observation (व्यावहारिक अवलोकन)



**Plant Growth**  
(पौधों की वृद्धि)

- पौधों की ऊँचाई
- पातियों की स्थिति
- फूल/फल की स्थिति
- विकास की गति



**Soil Condition**  
(मिट्टी की स्थिति)

- मिट्टी की बनावट
- pH (यदि संभव हो)
- जैविक पदार्थ की मात्रा
- नमी की स्थिति



**Water Management**  
(जल प्रबंधन)

- सिंचाई प्रणाली
- पानी का स्रोत
- पानी की गुणवत्ता
- पानी का सही उपयोग



**Harvesting**  
(कटाई)

- कटाई का तरीका
- सही समय
- उपज की मात्रा
- कटाई के बाद प्रबंधन



**Marketing**  
(बाजार/विपणन)

- स्थानीय बाजार
- थोक/रिटेल बिक्री
- कीमत और मांग
- परिवहन व्यवस्था

### 5 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Real Farm / Garden Visit

- ✓ Students को निकट के किसी खेत/बागान/नर्सरी पर ले जाना।
- ✓ वास्तविक फसल एवं पौधों का अवलोकन करना।
- ✓ किसान से बातचीत करना और प्रश्न पूछना।
- ✓ मिट्टी, पौधे, सिंचाई, कीट प्रबंधन आदि का अवलोकन एवं नोट्स बनाना।
- ✓ फोटो लेना (यदि अनुमति हो)।
- ✓ टीम में चर्चा करना और सीखी गई बातों को संकलित करना।



### 6 Assignment (अभ्यास कार्य)

#### Field Visit Report – 2 से 3 Pages

**रिपोर्ट में शामिल करें:**

- 1 Visit का स्थान, दिनांक और उद्देश्य
- 2 खेत/बागान का संक्षिप्त परिचय
- 3 देखी गई फसलें/पौधे
- 4 Soil, irrigation, nursery, pest management का अवलोकन
- 5 किसान से हुई बातचीत (मुख्य बिंदु)
- 6 उत्पादन, लागत, विपणन संबंधित जानकारी
- 7 सीखी गई महत्वपूर्ण बातें
- 8 निष्कर्ष (Conclusion) और सुझाव (यदि कोई हो)

#### Field Visit Report

- Title Page
- Introduction
- Observation
- Farmer Interaction
- Photos
- Learning Outcomes
- Conclusion



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



# Day 12

## CITY GARDEN VISIT / LANDSCAPING STUDY (Urban Gardening & Landscaping)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Urban Gardening (शहरी बागवानी)

Urban Gardening का मतलब शहर में उपलब्ध छोटे स्थानों जैसे घर, छत, बालकनी, ऑफिस आदि में पौधे उगाना और हरियाली बनाना है। यह शहरी जीवन में स्वच्छ वातावरण, सुंदरता और मानसिक शांति प्रदान करता है।



Home Garden  
(घर बागवानी)



Balcony Garden  
(बालकनी गार्डन)



Terrace Garden  
(छत बागवानी)



Vertical Garden  
(वर्टिकल गार्डन)

### 2 Landscaping (भूदृश्य सज्जा / लैंडस्केपिंग)

Landscaping किसी स्थान को पौधों, लॉन, पाथवे, डेकोरेटिव एलिमेंट्स और संरचनाओं की मदद से सुंदर, आकर्षक और उपयोगी बनाना है।



#### Landscaping के प्रकार

- ✓ Residential Landscaping (आवासीय)
- ✓ Commercial Landscaping (व्यावसायिक)
- ✓ Institutional Landscaping (संस्थागत)

### 3 Softscape (जीवित तत्व)

Softscape वे सभी जीवित तत्व होते हैं जो हरियाली, सौंदर्य और प्राकृतिक वातावरण प्रदान करते हैं।



Trees  
(पेड़)



Shrubs  
(झाड़ियाँ)



Flowers  
(फूल)



Lawn  
(घास का मैदान)



Ground Covers  
(भूमि आवरण पौधे)

### 4 Hardscape (निर्मित तत्व)

Hardscape वे गैर-जीवित/निर्मित संरचनाएँ होती हैं जो स्थान को संरचना, सुविधा और आकर्षक रूप देती हैं।



Pathway  
(पथमार्ग)



Seating  
(बैठने की व्यवस्था)



Borders  
(किनारे)



Stones  
(पत्थर)



Decorative Structures  
(सजावटी संरचना)

### 5 Landscape Planning (लैंडस्केप योजना)

एक सफल लैंडस्केपिंग के लिए सही योजना बनाना बहुत महत्वपूर्ण है।



#### Site Analysis (स्थल विश्लेषण)

- जगह का माप, धूप की उपलब्धता, मिट्टी की स्थिति



#### Plant Selection (पौधों का चयन)

- स्थान, जलवायु और उद्देश्य के अनुसार पौधों का चयन



#### Irrigation (सिंचाई व्यवस्था)

- ड्रिप, स्प्रिंकलर या नियमित सिंचाई योजना



#### Maintenance (देखभाल एवं रखरखाव)

- नियमित कटाई-छंटाई, खाद, सिंचाई और सफाई



### 6 Commercial Landscaping (व्यावसायिक लैंडस्केपिंग)

विभिन्न व्यावसायिक एवं संस्थागत स्थानों पर लैंडस्केपिंग की काफी मांग है, जिससे रोजगार और व्यवसाय के अवसर मिलते हैं।



Hotel  
(होटल)



Restaurant  
(रेस्टोरेंट)



Office  
(ऑफिस)



Guest House  
(गेस्ट हाउस)



Resort  
(रिसॉर्ट)



College  
(कॉलेज)

### 7 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### City Garden / Landscape Site Visit

- ✓ किसी city garden, park, hotel, office, college या अन्य landscape site पर जाना।
- ✓ वहाँ की डिजाइन, पौधों, पाथवे, seating, irrigation और maintenance का अवलोकन करना।
- ✓ तस्वीरें लेना और नोट्स बनाना।
- ✓ लैंडस्केपिंग विशेषज्ञ या कर्मचारी से बातचीत करना।
- ✓ जो सीखा उसे अपनी practical file में लिखना।



### 8 Assignment (अभ्यास कार्य)

किसी एक landscape site की Case Study बनाएं।

#### रिपोर्ट में शामिल करें:

- 1 Site का नाम एवं स्थान
- 2 Introduction
- 3 Site का उद्देश्य (Residential/Commercial/Institutional)
- 4 Design और Layout का विवरण
- 5 पौधों की सूची (Trees, Shrubs, Flowers, Lawn आदि)
- 6 Hardscape elements (Pathway, Seating, Borders आदि)
- 7 Irrigation system
- 8 Maintenance system
- 9 आपकी सीख (Learning Outcomes)
- 10 Conclusion और सुझाव

#### Case Study Report

- Title Page
- Acknowledgement
- Introduction
- Site Details
- Observation
- Plant List
- Hardscape Details
- Photos
- Learning Outcomes
- Conclusion



## Day 13 INDOOR & OUTDOOR PLANT CARE

(Indoor एवं Outdoor Plants)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Indoor Plants (इनडोर पौधे)

#### 1.1 Indoor plant की विशेषताएँ

- ✓ घर, ऑफिस और अंदर के स्थानों में सजावटी और वातावरण को शुद्ध करने के लिए उपयोगी।
- ✓ कम जगह में भी आसानी से उगाए जा सकते हैं।
- ✓ सुंदर पत्तियाँ, आकर्षक आकार और कम देखभाल में अच्छे रहते हैं।

#### 1.2 देखभाल की मुख्य बातें

- Light requirement** – तेज सीधी धूप नहीं, प्राकृतिक रोशनी (Indirect Light).
- Watering** – मिट्टी सूखने पर पानी दें, अधिक पानी न दें।
- Ventilation** – हल्की हवा और ताजी हवा आवश्यक।



### 2 Common Indoor Plants (सामान्य इनडोर पौधे)



**Areca Palm**  
(ऐरेका पाम)



**Snake Plant**  
(स्नेक प्लांट)



**Money Plant**  
(मनी प्लांट)



**Peace Lily**  
(पीस लिली)



**ZZ Plant**  
(जेडेड प्लांट)



**Spider Plant**  
(स्पाइडर प्लांट)



**Syngonium**  
(सिंगोनियम)



**Rubber Plant**  
(रबर प्लांट)

### 3 Outdoor Plants (आउटडोर पौधे)



**Flowering Plants**  
(फूल वाले पौधे)



**Shrubs**  
(झाड़ियाँ)



**Palms**  
(पाम)



**Seasonal Plants**  
(मौसमी पौधे)

### 4 Potting (गमलों में रोपण)



**Pot Selection**  
(गमले का चयन)



**Drainage Hole**  
(जल निकासी छिद्र)



**Growing Media**  
(उगाने का माध्यम)



**Repotting**  
(पुनः गमले में लगाना)

### 5 Plant Display (पौधों की सजावट)



**Reception**  
(रिसेप्शन)



**Lobby**  
(लॉबी)



**Office**  
(ऑफिस)



**Room**  
(कमरा)



**Balcony**  
(बालकनी)



**Corridor**  
(कॉरिडोर)

### 6 Indoor Plant Problems (इनडोर पौधों की समस्याएँ)



**Yellow leaves**  
(पीली पत्तियाँ)

कारण: अधिक जल, पोषण की कमी



**Overwatering**  
(अधिक पानी)

कारण: जलभराव, जड़ सड़न



**Low light**  
(कम रोशनी)

कारण: उचित प्रकाश की कमी



**Root rot**  
(जड़ सड़न)

कारण: अधिक पानी, बेहतर जल निकासी नहीं



**Pest attack**  
(कीट प्रकोप)

कारण: मिलीबग, एफिड, थ्रिप्स आदि

### 7 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Plant Potting & Repotting (गमलों में रोपण एवं पुनः रोपण)

- 1 उचित आकार का गमला चुनें।
- 2 नीचे ड्रेनेज होल की जाँच करें।
- 3 मिट्टी का मिश्रण तैयार करें (मिट्टी + कंपोस्ट + रेत + कोकोपीट)।
- 4 पौधे को सावधानी से पुराने गमले से निकालें।
- 5 नए गमले में पौधे को लगाकर मिट्टी भरें।
- 6 हल्का पानी दें और उचित स्थान पर रखें।



### 8 Assignment (अभ्यास कार्य)

#### 5 Indoor + 5 Outdoor Plants का Care Chart बनाए

| Indoor Plants |               |       |          |              |
|---------------|---------------|-------|----------|--------------|
| S.No.         | Indoor Plants | Light | Watering | Special Care |
| 1             | Areca Palm    |       |          |              |
| 2             | Snake Plant   |       |          |              |
| 3             | Money Plant   |       |          |              |
| 4             | Peace Lily    |       |          |              |
| 5             | ZZ Plant      |       |          |              |

| Outdoor Plants |                |          |          |              |
|----------------|----------------|----------|----------|--------------|
| S.No.          | Outdoor Plants | Sunlight | Watering | Special Care |
| 1              | Rose           |          |          |              |
| 2              | Hibiscus       |          |          |              |
| 3              | Marigold       |          |          |              |
| 4              | Bougainvillea  |          |          |              |
| 5              | Areca Palm     |          |          |              |



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



### Day 14

## ORGANIC FARMING & VERMICOMPOSTING

(जैविक खेती एवं वर्मी कम्पोस्टिंग)



Training Duration

6 Hours

### 1 Organic Farming (जैविक खेती)

#### 1.1 Organic farming क्या है ?

Organic farming (जैविक खेती) एक ऐसी खेती पद्धति है जिसमें रासायनिक उर्वरक और रासायनिक कीटनाशकों की बजाय प्राकृतिक एवं जैविक साधनों का उपयोग करके फसल उत्पादन किया जाता है। यह मिट्टी के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित भोजन के लिए लाभकारी है।



#### Principles of Organic Farming

- Soil health (मिट्टी का स्वास्थ्य)
- Biodiversity (जैव विविधता)
- Natural inputs (प्राकृतिक साधन)
- Eco-friendly farming (पर्यावरण अनुकूल खेती)
- Chemical-free food (रसायन मुक्त भोजन)

### 2 Organic Manures (जैविक खाद)



FYM  
(गोबर की खाद)



Compost  
(कम्पोस्ट)



Vermicompost  
(वर्मी कम्पोस्ट)



Neem Cake  
(नीम खली)



Green Manure  
(हरी खाद)

### 3 Composting (कम्पोस्ट बनाना)

- Compost material (कच्चा सामग्री)
- Decomposition (विघटन प्रक्रिया)
- Moisture (नमी)
- Aeration (हवादारी)
- Maturity (तैयार होने की पहचान)



### 4 Vermicomposting (वर्मी कम्पोस्टिंग)

- Vermicompost क्या है ?
- Earthworms की भूमिका
- Suitable organic material (उपयुक्त जैविक सामग्री)
- Bedding material (बिछौना सामग्री)



Earthworms  
(केंचुआ)

### 5 Vermicompost Unit (वर्मी कम्पोस्ट यूनिट)

- Unit location (स्थान)
- Bed/container (बेड/कंटेनर)
- Organic waste (जैविक कचरा)
- Earthworm introduction (केंचुआ डालना)
- Moisture management (नमी प्रबंधन)



Vermicompost Unit  
(वर्मी कम्पोस्ट यूनिट)

#### Suitable Location (उपयुक्त स्थान)

- छायादार स्थान (Shade)
- पानी की उपलब्धता (Water)
- हवादार स्थान (Ventilation)
- सीधी धूप से बचाएँ (No direct sunlight)

### 6 Vermicompost Maintenance (वर्मी कम्पोस्ट का रखरखाव)

- Moisture (नमी) (50-60%)
- Temperature (तापमान) (15-30°C)
- Aeration (हवादारी) (नियमित पलटाई)
- Protection (सुरक्षा) (वारिश, तेज धूप और जानवरों से बचाव)



छायादार स्थान

### 7 Vermicompost Harvesting (वर्मी कम्पोस्ट की कटाई)

- Ready compost की पहचान
- Collection (संग्रह)
- Sieving (छानना)
- Storage (भंडारण)



Sieving  
(छानना)



Storage  
(भंडारण)

### 8 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

#### Mini Vermicompost Unit का Demonstration / Setup



1 यूनिट के लिए स्थान का चयन करें

2 बेड/कंटेनर तैयार करें

3 जैविक कचरा भरें

4 केंचुआ डालें

5 नमी बनाए रखें

6 तैयार वर्मी कम्पोस्ट

### 9 Assignment (अभ्यास कार्य)

#### Vermicomposting Unit का Diagram + Material List

1. एक वर्मी कम्पोस्ट यूनिट का साफ-सुवरा डायग्राम बनाएं।
2. इसमें सभी भागों को लेबल करें।
3. उपयोग होने वाली सामग्री (Material List) लिखें।
4. यूनिट के आकार (लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई) भी लिखें।
5. 1-2 पेज में पूरा कार्य पूरा करें।



Vermicompost Unit  
(Diagram)



# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.  
Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar



# Day 15

## GARDEN BUSINESS & MARKETING

(बागवानी को Business के रूप में समझना)



Training Duration  
**6 Hours**

### 1 Gardening Business Introduction

- ✓ Gardening service (गार्डन सेवा)
- ✓ Plant nursery (पौधा नर्सरी)
- ✓ Landscaping (लैंडस्केपिंग)
- ✓ Plant maintenance (पौधों की देखभाल)
- ✓ Indoor plant service (इंडोर प्लांट सेवा)



### 2 Business Opportunities

- ✓ Home garden setup (घर पर बागवानी)
- ✓ Office plant decoration (ऑफिस सजावट)
- ✓ Hotel/Restaurant greenery (होटल/रेस्टोरेंट)
- ✓ Guest house plant decoration (गैस्ट हाउस)
- ✓ Terrace garden setup (छत पर बागवानी)
- ✓ Plant supply (पौधों की आपूर्ति)
- ✓ Garden maintenance contract (मैटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट)



Home Garden

Office Decoration

Hotel / Restaurant

Guest House

Plant Supply

Garden Maintenance

### 3 Costing (लागत का अनुमान)

| Item                           | Estimated Cost (उदाहरण) |
|--------------------------------|-------------------------|
| Plant cost (पौधे की लागत)      | ₹ 20 – 500 / plant      |
| Soil / Media (मिट्टी / माडिया) | ₹ 5 – 30 / kg           |
| Fertilizer (उर्वरक)            | ₹ 10 – 100 / kg         |
| Pots / Containers (गमला)       | ₹ 20 – 500 / piece      |
| Labour (मजदूरी)                | ₹ 300 – 800 / day       |
| Transport (परिवहनी)            | ₹ 500 – 2,000 / trip    |
| Tools (औजार)                   | ₹ 200 – 2,000           |
| Maintenance (देखभाल)           | ₹ 500 – 5,000 / month   |



### 4 Pricing (मूल्य निर्धारण)

- ✓ Cost price (कुल लागत)
- ✓ Labour cost (मजदूरी लागत)
- ✓ Profit margin (लाभ प्रतिशत)
- ✓ Service pricing (सेवा शुल्क)

**Selling Price =**  
(Total Cost + Labour Cost) + Profit Margin

#### उदाहरण (Example)

|                      |              |
|----------------------|--------------|
| Plant Cost           | ₹ 100        |
| Labour Cost          | ₹ 50         |
| Other Cost           | ₹ 30         |
| <b>Total Cost</b>    | <b>₹ 180</b> |
| Profit (20%)         | ₹ 36         |
| <b>Selling Price</b> | <b>₹ 216</b> |

### 5 Marketing (विपणन)

- ✓ Local marketing (स्थानीय प्रचार)
- ✓ Visiting card (विजिटिंग कार्ड)
- ✓ Brochure (ब्रोशर)
- ✓ WhatsApp (व्हाट्सएप)
- ✓ Social Media (फेसबुक/इंस्टाग्राम)
- ✓ Google Business Profile (गूगल प्रोफाइल)
- ✓ Customer referrals (ग्राहक सिफारिश)



SOCIAL MEDIA

### 6 Target Customers (लक्षित ग्राहक)

- Home owners (घर के मालिक)
- Schools (स्कूल)
- Colleges (कॉलेज)
- Offices (कार्यालय)
- Hotels (होटल)
- Restaurants (रेस्टोरेंट)
- Resorts (रिसोर्ट)
- Guest Houses (गैस्ट हाउस)
- Commercial buildings (व्यावसायिक भवन)



Home

School/College

Office



Hotel/Restaurant

Resort

Commercial Building

### 7 Garden Service Package (सेवा पैकेज)

| Package Name                 | Services (मुख्य सेवाएँ)                           | Estimated Price (उदाहरण)          |
|------------------------------|---------------------------------------------------|-----------------------------------|
| Basic Plant Maintenance      | Watering, cleaning, minor pruning                 | ₹ 2,000 – 5,000 (per month)       |
| Premium Garden Maintenance   | Complete maintenance, fertilization, pest control | ₹ 5,000 – 12,000 (per month)      |
| Indoor Plant Decoration      | Plant supply + Setup + maintenance                | ₹ 5,000 – 25,000 (per project)    |
| Complete Landscaping         | Design, plant supply, installation, maintenance   | ₹ 50,000 – 5,00,000 (per project) |
| Guest House Greenery Package | Indoor + Outdoor plants, decoration & maintenance | ₹ 25,000 – 1,00,000 (per project) |



### 8 Business Plan (व्यवसाय योजना)

- ✓ Business name (व्यवसाय का नाम)
- ✓ Services (प्रमुख सेवाएँ)
- ✓ Investment (प्रारंभिक निवेश)
- ✓ Monthly expenses (मासिक खर्च)
- ✓ Pricing (मूल्य निर्धारण)
- ✓ Target customer (लक्षित ग्राहक)
- ✓ Marketing strategy (विपणन रणनीति)
- ✓ Expected profit (अपेक्षित लाभ)



### 10 Assignment (अभ्यास कार्य)

"My Gardening Business" – 3 से 5 Pages

निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखें:

- मेरा क्षेत्र में gardening का बाजार कैसा है ?
- मैं कोन-सी सेवाएँ देना चाहता/चाहती हूँ ?
- मेरे business का नाम क्या होगा ?
- शुरुआती निवेश कितना होगा ?
- मासिक खर्च कितना होगा ?
- मेरी pricing और profit margin क्या होगा ?
- मैं अपने ग्राहकों तक कैसे पहुँचूँगा/बढ़ाऊँगी ?
- भविष्य में business को कैसे बढ़ाऊँगा/बढ़ाऊँगी ?



### 9 Practical Work (व्यावहारिक कार्य)

एक Sample Gardening Business Plan तैयार करना

- ✓ एक छोटा business plan बनाएँ
- ✓ Services, cost, pricing और marketing strategy लिखें
- ✓ Target customers और expected profit बताएँ
- ✓ Presentation तैयार करें





# S.U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasiin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

# GARDENING

## INNOVATION & KEY HIGHLIGHTS

### INTERNSHIP / TRAINING

### गार्डनिंग इंटरनशिप / प्रशिक्षण करने से क्या लाभ होगा ?



#### 1. व्यावहारिक कौशल (Practical Skill)

मिट्टी, पौधे, खाद, रोपण, देखभाल और डिजाइन की पूरी प्रैक्टिकल ट्रेनिंग मिलती है।



#### 6. खाद्य सुरक्षा (Food Security)

घर पर सब्जियाँ, फल और औषधीय पौधे उगाना सीखकर स्वस्थ व रसायन-मुक्त भोजन प्राप्त कर सकते हैं।



#### 2. नवाचार सीखने का अवसर (Innovation)

वर्टिकल गार्डन, हाइड्रोपोनिक, टेरेस गार्डन, DIY प्लांटर, अपसाइलिंग और नए टेक्नोलॉजी सीखने को मिलते हैं।



#### 7. कम लागत में बेहतर उत्पादन (Cost-Effective Solution)

कचरे से कंपोस्ट, घरेलू संसाधनों से गार्डन बनाकर कम खर्च में अधिक उत्पादन।



#### 3. पर्यावरण संरक्षण में योगदान (Green & Clean Environment)

अधिक पौधे = स्वच्छ हवा, कम प्रदूषण और स्वस्थ समाज।



#### 8. शहरी एवं ग्रामीण दोनों के लिए उपयोगी (For Urban & Rural Both)

छत, बालकनी, घर, स्कूल, कॉलेज, गाँव – हर जगह गार्डनिंग संभव है।



#### 4. मानसिक स्वास्थ्य में सुधार (Mental Wellness)

गार्डनिंग तनाव कम करती है, मन को शांत और सकारात्मक बनाती है।



#### 9. सजावट एवं सौंदर्य वृद्धि (Beautification)

घर, ऑफिस, गेस्ट हाउस, होटल, रेस्टोरेंट आदि की सुंदरता बढ़ाने का कौशल सीखते हैं।



#### 5. रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर (Employment Opportunity)

नर्सरी, होम गार्डनिंग सर्विस, लैंडस्केपिंग, प्लांट डेकोरेशन, गार्डन डिजाइन जैसे कई बिजनेस शुरू कर सकते हैं।



#### 10. सतत एवं टिकाऊ विकास (Sustainable Future)

प्रकृति के साथ जुड़कर पर्यावरण अनुकूल और सतत जीवनशैली की दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

आज गार्डनिंग सीखें  
बेहतर कल बनाएं

### KEY HIGHLIGHTS (मुख्य विशेषताएं)



#### नवीन तकनीक

- वर्टिकल गार्डन
- हाइड्रोपोनिक
- स्मार्ट प्लांट केयर



#### खाद्य उत्पादन

- ऑर्गेनिक सब्जियाँ
- किचन गार्डन
- पोषण सुरक्षा



#### कचरे से कंपोस्ट

- किचन वेस्ट का उपयोग
- वर्मी कंपोस्ट
- ऑर्गेनिक खाद



#### प्लांट डेकोरेशन

- घर / ऑफिस
- गेस्ट हाउस / होटल
- इंटीरियर डीकोर



#### नर्सरी प्रबंधन

- प्लांट प्रोडक्शन
- पॉटिंग एवं रिपॉटिंग
- बिक्री एवं वितरण



#### आर्थिक लाभ

- कम निवेश
- अधिक आय
- स्टार्टअप अवसर

✓ प्रैक्टिकल नॉलेज

✓ हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग

✓ प्रोजेक्ट वर्क

✓ सर्टिफिकेट

✓ बिजनेस गाइडेंस

“हर घर में हरियाली, हर जीवन में खुशहाली”



# S. U. AGRO ENTERPRISES

## Shri Chand Udasiin AGRO ENTERPRISES

This company is registered by MSME which is certified by the Government of India.

Om Palace Kautilya Nagar Hilsa Nalanda Bihar

# GARDENING

## INTERNSHIP / TRAINING

## Benefits for Students

1



### प्रायोगिक ज्ञान

(Practical Knowledge)



पौधों की पहचान, नर्सरी तैयार करना, गमले की मिट्टी बनाना, रोपण, देखभाल और कीट नियंत्रण का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

2



### Skill Development



गार्डनिंग एक प्रायोगिक कोशल है, जिससे आपकी हैंड्स-ऑन स्किल, धैर्य और समस्या समाधान क्षमता का विकास होता है।

3



### Entrepreneurship Opportunity



छोटे स्तर से गार्डनिंग नर्सरी, टेरस गार्डन, लैंडस्केपिंग या प्लांट सेलिंग का अपना बिजनेस शुरू कर सकते हैं।

4



### रोजगार के अवसर



नर्सरी, लैंडस्केपिंग कंपनियों, होटल, रिसॉर्ट, गेस्ट हाउस, सरकारी व निजी संस्थानों में गार्डनिंग से जुड़े रोजगार के अवसर मिलते हैं।

5



### अतिरिक्त आय का स्रोत



घर की छत, बालकनी या छोटे स्थान से भी फूल, सजावटी पौधे, फलदार पौधे और इंडोर प्लांट उगाकर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है।

6



### पर्यावरण संरक्षण में योगदान



पौधे लगाने से हरित क्षेत्र बढ़ता है, वायु शुद्ध होती है और पर्यावरण संतुलन बना रहता है। इससे सस्टेनेबल (Sustainable) जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है।

7



### मानसिक स्वास्थ्य में सुधार



पौधों के साथ काम करने से तनाव कम होता है, मन शांत रहता है और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

8



### अन्य विषयों में उपयोगी



यह ज्ञान कृषि, बागवानी, पर्यावरण विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी, प्लोरिबलल्चर तथा हॉर्टिबलल्चर जैसे विषयों में आगे की पढ़ाई और रिसर्च के लिए भी उपयोगी है।

9



### प्रायोगिक प्रशिक्षण और समस्या समाधान



वास्तविक परिस्थितियों में काम करके पौधों से जुड़ी समस्याओं जैसे कीट, रोग, पोषण की कमी आदि का समाधान करना सीखते हैं।

10



### समग्र व्यक्तित्व विकास



गार्डनिंग से जिम्मेदारी, अनुशासन, टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता का विकास होता है, जो भविष्य के करियर और जीवन दोनों में सहायक है।



घर को हरा-भरा बनाएं



स्वस्थ वातावरण



फूल, फल और सब्जियों उगाने का ज्ञान



लैंडस्केपिंग और गार्डन डिज़ाइन



स्वरोजगार और बेहतर करियर अवसर

“आज सीखें गार्डनिंग, कल बनाएं हरियाली भरा भाविष्य”